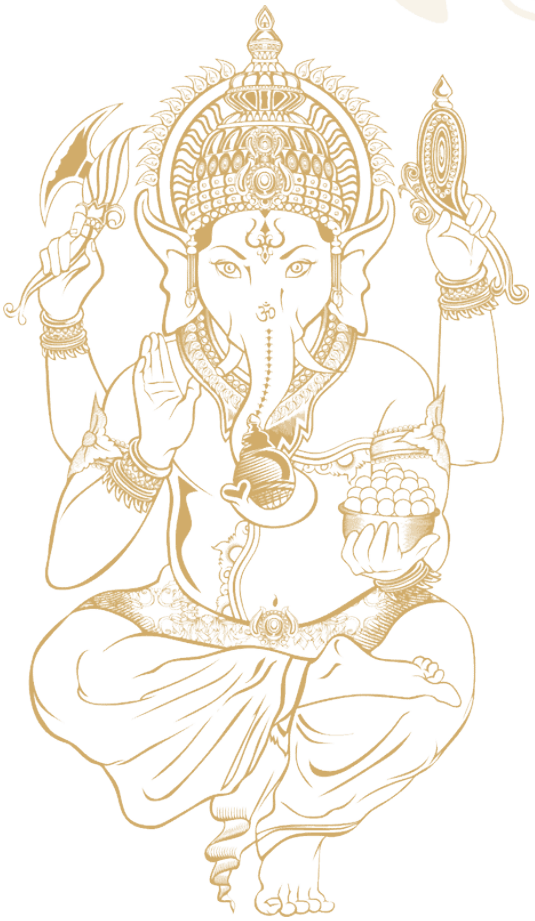

Abhishek

Aditi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121847404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/12/1996	जन्म तिथि	13/06/1996
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:24:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 30:54:57	जन्म समय(घटी)	27:01:47 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Dewas
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:01	सूर्योदय	05:40:05
17:46:18	सूर्यास्त	19:11:44
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:31

विंशोत्तरी शुक्र 17वर्ष 8मा 20दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 4वर्ष 9मा 21दि
चन्द्र	27:50:47	मिथु	लग्न	तुला	24:11:50	राहु
10/09/2020	05:09:30	धनु	सूर्य	वृष	28:53:37	05/04/2018
10/09/2030	14:51:08	मेष	चंद्र	मेष	29:18:42	05/04/2036
चन्द्र 11/07/2021	01:14:17	कन्या	मंगल	वृष	06:47:47	राहु 16/12/2020
मंगल 09/02/2022	24:30:56	धनु	बुध	वृष	05:40:57	गुरु 12/05/2023
राहु 11/08/2023	28:45:00	धनु	गुरु व	धनु	21:30:40	शनि 18/03/2026
गुरु 10/12/2024	10:21:40	वृश्चि	शुक्र व	वृष	24:30:38	बुध 04/10/2028
शनि 11/07/2026	07:03:28	मीन	शनि	मीन	12:33:11	केतु 23/10/2029
बुध 11/12/2027	10:22:53	कन्या व	राहु व	कन्या	21:08:15	शुक्र 23/10/2032
केतु 11/07/2028	10:22:53	मीन व	केतु व	मीन	21:08:15	सूर्य 16/09/2033
शुक्र 11/03/2030	08:50:43	मक	हर्ष व	मक	10:16:42	चन्द्र 18/03/2035
सूर्य 10/09/2030	02:36:20	मक	नेप व	मक	03:26:16	मंगल 05/04/2036
	10:10:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:20:53	

लग्न-चलित

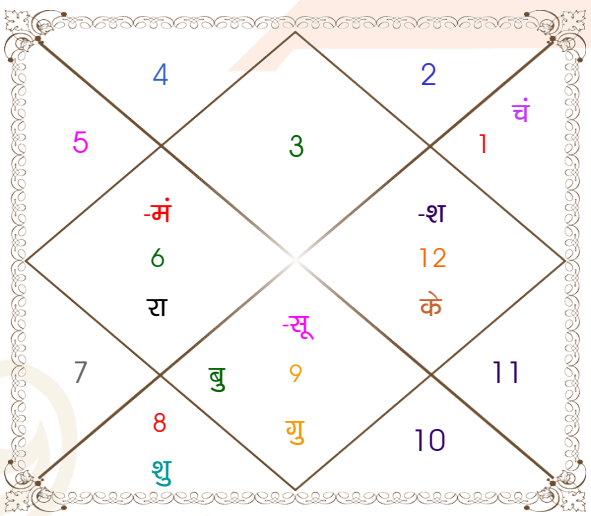

लग्न-चलित

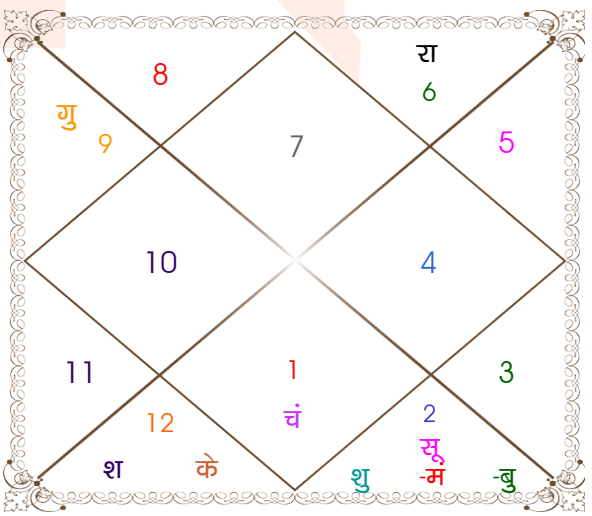

Astrologer Sourabh Tripathi
Astrology | Vastu | Gems Stone
+917024551008
P.sjk1008@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Abhishek का वर्ग मृग है तथा Aditi का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek और Aditi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Abhishek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Abhishek कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aditi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Aditi कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Abhishek तथा Aditi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।